

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। -सुफियान सौरी

संदर्भ पश्चिम बंगाल अपराजिता कानून कानून नहीं, कानून के भय से ही बचाया जा सकता है निर्भयों को

आखिरकार कोलकाता आरजी कर अस्पताल रेप व रेप के बाद हत्या घटना के बाद जिस तरह से देशव्यापी माहौल बना, उसके परिणाम के रूप में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिमी बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधानसभा से पारित हो गया। सवाल यह नहीं है कि कानून कितना सख्त बनाया गया है? सवाल यह भी नहीं है कि कानून में किस तरह से जांच से लेकर सजा तक की समग्र सीमा तय की गई है? सवाल यह भी नहीं है कि कानून बनने के क्या परिणाम सामने आएंगे? देखा जाए तो सौ टेके का सवाल यह है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद जिस तरह से कानून में बदलाव कर सख्ती के प्रावधान किये गये, जिस तरह से पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की बात हुई और जिस तरह से देश में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल अदालतें और पाक्सो अदालतें बनाई गईं उसके बाद भी हालात में कोई बदलाव नहीं दिखाई दे रहा है। बल्कि यह कहा जाए तो ज्यादा ठीक होगा कि—'ज्यों-ज्यों दवा की गई, मर्ज बढ़ता ही गया।' निर्भया कांड के चार दरिंदों को फांसी की सजा के बावजूद महिलाओं के खिलाफ रेप व हत्या के मामलों में कोई कमी नहीं आई है अपितु देखा जाए तो पिछले 12 सालों में रेप-हत्याओं के मामलों में बढ़ोतरी ही देखने को मिल रही है।

दिसंबर 2012 में जब निर्भया कांड हुआ और उसके सामने आते ही जिस तरह से देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला उसके बाद जिस तरह से 2013 में नया आपराधिक कानून लाकर सरकार ने सख्ती की मंशा दिखाई उसके बावजूद कोई सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिला। 2015 में किशोर न्याय अधिनियम के माध्यम से 16-18 साल के दोषियों को भी कोई रियायत नहीं देने के प्रावधान किये गये और 2019-20 में 1023 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट का गठन और 389 पॉक्सो कोर्टों के गठन के बावजूद अपराधियों में किसी तरह से भय का वातावरण नहीं बना है। दिसंबर, 12 में जिस तरह से निर्भया रेप व हत्या कांड सामने आया और खासतौर से युवाओं में जिस तरह का आक्रोश देखा गया, तब समझा जाने लगा था कि हालातों में सुधार होगा, पर आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। उज्जैन, कुच्छा और इसके बाद आरजी कर प्रकरण से साफ हो गया है कि भले ही अब ममता सरकार ने नया अधिनियम पारित कर लिया हो पर तस्वीर का एक पहलू यही है कि ऐसे मामलों में भी सभी लोग एक ना होकर के राजनीतिक फायदे नुकसान के तराजू पर तोलकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी। जिस तरह से घटना होने के बाद एक पक्ष बचाव में तर्क गढ़ने लगता है तो दूसरा पक्ष आंदोलन, प्रदर्शन आदि के माध्यम से जितना लाभ उठाने का प्रयास करते हैं यह दोनों ही स्थितियां मानवता के लिए शर्मनाक है।

तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि ऐसे मामलों में भी सभी लोग एक ना होकर के राजनीतिक फायदे नुकसान के तराजू पर तोलकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी। जिस तरह से घटना होने के बाद एक पक्ष बचाव में तर्क गढ़ने लगता है तो दूसरा पक्ष आंदोलन, प्रदर्शन आदि के माध्यम से जितना लाभ उठाने का प्रयास करते हैं यह दोनों ही स्थितियां मानवता के लिए शर्मनाक है।

का प्रयास करते हैं यह दोनों ही स्थितियां मानवता के लिए शर्मनाक है।

ऐसा नहीं है कि रेप व उसके बाद हत्या जैसी घटनाएं हमारे देश में ही होती हो, बल्कि कहा जाये तो यह वैश्विक समस्या है। निर्भया के टाइम पर ही किस तरह से मी टू अधिनियम ने गति पकड़ी थी, किस तरह से महिलाएं मुक्त हो रही थीं, वह अपने आप में एक सशक्त आंदोलन या कहें कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में बढ़ती कदम था, पर इससे देश-दुनिया में महिला अपराध खसतौर से रेप, गैंगरेप या इसी तरह की घटनाओं में तनिक मात्र भी कमी नहीं आई है। हालिया दिनों में ही सिने संसार में किस तरह से महिला अभिनेत्रियों के शोषण की मुखरता से चर्चा हुई है वह भी रुपहले पर्दे के पीछे की काली कहानी बयां कर देती है। यदि आंकड़ों की भाषा में ही बात करें तो निर्भया एपिसोड के समय 24915 मामले सामने आये थे तो 2016 में सर्वाधिक 38947 अपराध सामने आये। 2020 जो कि कोरोना काल था उसमें अवश्य 28046 मामलें सामने आये अन्यथा आंकड़े 30 हजार से अधिक ही रहे। 2022 के आंकड़ों की बात करें तो महिलाओं के खिलाफ अपराध के इस तरह के 31516 मामलें आए। यानी कि 2012 के निर्भया एपिसोड और उसकी प्रतिक्रिया स्वरूप देश ही नहीं विश्वव्यापी आक्रोश व जनचेतना के बावजूद अपराध में कमी नहीं आने से साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं इस तरह के समाज विरोधी लोगों में भय ही नहीं रहा। सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद अपराधी प्रवृत्ति के लोग बेखौफ इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे हैं। मजे की बात यह है कि अपराधियों में कानून व सजा का कोई भय ही नहीं दिखाई दे रहा अन्यथा इस तरह के अपराध कम ही नहीं बल्कि रुक जाते पर ऐसा हुआ नहीं और ऐसा होगा, इस तरह से लगता भी नहीं है। इससे एक बात साफ हो जाती है कि कानून बनाना या सख्त सजा व त्वरित न्याय की व्यवस्था एक बात है और समाज को अपराध विहीन बनाया दूसरी बात। इसके लिए हमें और सब के साथ हमारे मूल्यों और संस्कारों को आज की पीढ़ी तक पहुंचाना ही होगा। खाओं पीओ और मौज करों की सोच किसी भी हालत में सभ्य समाज के लिए उचित नहीं हो सकती। हमें महिलाओं की इज्जत करना, उनके सम्मान की रक्षा करना सीखना और सीखाना होगा नहीं तो कानून के डर से अपराध कम हो जाये यह सोचना एक हद से अधिक सही नहीं हो सकता। यह धरातलीय अनुभव है जो हमारे सामने लगातार आ रहा है।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)



राशिफल गुरुवार 5 सितम्बर, 2024

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र 6:41 तक, शुभ योग रात्रि 9:08 तक, कौलव करण दिन 12:22 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरु-वृष, शुक-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज तैलाधर तपस्या (जैन), साम श्रावणी उपाकर्म (सामवेदियों की राखी) है। आज से मेला रूपीचा रामदेव 9 दिन का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:45 तक, चर 10:52 से 12:26 तक, लाभ-अमृत 12:26 से 3:53 तक, शुभ 5:06 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:39

मेष
परिवार में चल रहे आपसी अहसास समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। नैकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चन दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशवासन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नैकरीपेशा व्यक्तियों को व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मकर
अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नैकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। व्यावसायिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव रहेगा। नैकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण मामलों दुविधा बनी रहेगी।

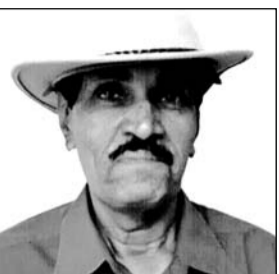
कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों के दालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्साह जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में सुधार रहेगा।

लोक देवता बाबा रामदेव ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए धरती पर अवतार लिया



मिश्रीलाल पंचार

लोक देवता बाबा रामदेव ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए धरती पर अवतार लिया था। उन्होंने हिन्दुओं में व्याप्त जाति-पाति को मिटाने के लिए बहुत संघर्ष किया। लोक देवता बाबा रामदेव जी उड़ू काश्मीर के राजा अजमलजी के पुत्र थे। मान्यता है कि भगवान द्वारकाधीश ने उनके घर अवतार लिया था। कलयुग के अवतारी बाबा रामदेव ने अपने बाल काल में ही दिव्य चमत्कारों से देव पुरुष की प्रसिद्धि पा ली थी। उन्होंने अपने जीवन में समग्र-समय पर अनेक लोगों को पंचे दिए तथा अज्ञान रूपी अंधकार से बाहर निकला। इतना ही नहीं आज भी वे अपने भक्तों को पंचे देते रहते हैं। भाद्र मास में करीब पचास लाख श्रद्धालु उनके दर्शन की अर्चिणाया लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों से मारवाड़ आते हैं। ऐसी अद्भुत श्रद्धा एवं भक्ति अन्यत्र नजर नहीं आती।

माता मैण्डा के पर्वों दिया :- प्रचलित लोक गाथाओं के अनुसार लोक देवता बाबा रामदेव ने पहला पर्व माता मैण्डा को ही दिया। एक दिन माता मैण्डा अपनी गोद में बालक रामदेव को दूध पिला रही थी कि ध्यान आया कि देव चूल्हे पर दूध रख कर आई थी। अब तो दूध उफन रहा होगा। माता के मन की बात बालक रामदेव जान गए। मां पर तस्वीर का एक पहलू यही है कि ऐसे मामलों में भी सभी लोग एक ना होकर के राजनीतिक फायदे नुकसान के तराजू पर तोलकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी। जिस तरह से घटना होने के बाद एक पक्ष बचाव में तर्क गढ़ने लगता है तो दूसरा पक्ष आंदोलन, प्रदर्शन आदि के माध्यम से जितना लाभ उठाने का प्रयास करते हैं यह दोनों ही स्थितियां मानवता के लिए शर्मनाक है।

प्रचलित लोक गाथाओं के अनुसार लोक देवता बाबा रामदेव ने पहला पर्व माता मैण्डा को ही दिया। एक दिन माता मैण्डा अपनी गोद में बालक रामदेव को दूध पिला रही थी कि ध्यान आया कि देव चूल्हे पर दूध रख कर आई थी। अब तो दूध उफन रहा होगा। माता के मन की बात बालक रामदेव जान गए। मां पर तस्वीर का एक पहलू यही है कि ऐसे मामलों में भी सभी लोग एक ना होकर के राजनीतिक फायदे नुकसान के तराजू पर तोलकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी। जिस तरह से घटना होने के बाद एक पक्ष बचाव में तर्क गढ़ने लगता है तो दूसरा पक्ष आंदोलन, प्रदर्शन आदि के माध्यम से जितना लाभ उठाने का प्रयास करते हैं यह दोनों ही स्थितियां मानवता के लिए शर्मनाक है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शिक्षक की भूमिका



प्रो. अशोक कुमार

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार होती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल ज्ञान देते हैं बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का विकास भी करते हैं। शिक्षक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा में कैसे योगदान देते हैं:-
1. **ज्ञान का संचार:** शिक्षक को अपने विषय का गहन ज्ञान होना चाहिए ताकि वे बच्चों को सही और अद्यतन जानकारी दे सकें। उन्हेंनी की बजाय समझ पर जोर देना, प्रयोग, चर्चा, और दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग करना शिक्षण

को रोचक बनाना है। बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना उनकी जिज्ञासा को बढ़ाता है।
2. **व्यक्तित्व विकास:** एक सकारात्मक और समावेशी माहौल में बच्चे आत्मविश्वास से सीखते हैं। शिक्षक बच्चों में संचार, समस्या समाधान, टीम वर्क जैसे कौशल विकसित करते हैं। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सहयोग जैसे मूल्यों को सिखाकर शिक्षक अच्छे नागरिक बनाते हैं।
3. **व्यक्तिगत ध्यान:** हर बच्चा अलग होता है, इसलिए शिक्षक को प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत जरूरतों को समझकर शिक्षण करना चाहिए। बच्चों को उनकी कठिनाइयों को दूर करने में मदद करना चाहिए। बच्चों की उपलब्धियों को सराहना और प्रोत्साहित करना उनका मनोबल बढ़ाता है। शिक्षक को अधिभावकों के साथ मिलकर बच्चों के विकास के लिए काम करना चाहिए। बच्चों की प्रगति के बारे में नियमित रूप से अधिभावकों को सूचित करना चाहिए। शिक्षक को हमेशा नई शिक्षण विधियों के बारे में सीखते रहना चाहिए। अपने विषय के ज्ञान को अद्यतन रखना महत्वपूर्ण है। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा में शिक्षक की भूमिका अहम है। वे बच्चों को सिर्फ ज्ञान नहीं देते बल्कि उन्हें जिंदगी के लिए तैयार भी करते हैं। एक अच्छा शिक्षक न केवल ज्ञानी होता है बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्रोत भी होता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षक में निम्नलिखित गुण होने चाहिए: एक अच्छा शिक्षक वह होता है जो न केवल ज्ञान देता है बल्कि छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित भी करता है। एक अच्छे शिक्षक में कई गुण होते हैं जो उन्हें एक प्रभावी शिक्षक बनाते हैं।
एक अच्छे शिक्षक के प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं:-
ज्ञान: एक अच्छे शिक्षक को अपने विषय का गहरा ज्ञान होना चाहिए। उन्हें छात्रों के सवालों का जवाब देने और उनकी जिज्ञासा को शांत करने में सक्षम होना चाहिए।
संचार कौशल: एक प्रभावी शिक्षक छात्रों के साथ स्पष्ट और प्रभावी ढंग से संवाद कर सकता है। उन्हें छात्रों की समस्या को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न शिक्षण विधियों का उपयोग करना चाहिए।
धैर्य: शिक्षण एक धैर्यवान काम है। एक अच्छा शिक्षक छात्रों की गति और सीखने की शैली को समझता है और उन्हें प्रोत्साहित करता रहता है।
रचनात्मकता: एक अच्छा शिक्षक सीखने को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए नए-नए तरीके खोजता रहता है। वे छात्रों की रुचियों को ध्यान में रखते हुए अपनी शिक्षण पद्धत को अनुकूलित कर सकते हैं।
प्रेरणा: एक अच्छा शिक्षक छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करता है। वे छात्रों की उपलब्धियों को पहचानते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।
सहानुभूति: एक अच्छा शिक्षक छात्रों की भावनाओं को समझता है और उनकी मदद करता है। वे छात्रों को सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान करते हैं।
लचीलापन: एक अच्छा शिक्षक बदलती परिस्थितियों के अनुकूल हो सकता है और अपनी शिक्षण योजनाओं को बदल सकता है।
व्यक्तिगत विकास: एक अच्छा शिक्षक लगातार सीखने और विकसित

करना चाहिए।
धैर्य: शिक्षण एक धैर्यवान काम है। एक अच्छा शिक्षक छात्रों की गति और सीखने की शैली को समझता है और उन्हें प्रोत्साहित करता रहता है।
रचनात्मकता: एक अच्छा शिक्षक सीखने को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए नए-नए तरीके खोजता रहता है। वे छात्रों की रुचियों को ध्यान में रखते हुए अपनी शिक्षण पद्धत को अनुकूलित कर सकते हैं।
प्रेरणा: एक अच्छा शिक्षक छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करता है। वे छात्रों की उपलब्धियों को पहचानते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।
सहानुभूति: एक अच्छा शिक्षक छात्रों की भावनाओं को समझता है और उनकी मदद करता है। वे छात्रों को सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान करते हैं।
लचीलापन: एक अच्छा शिक्षक बदलती परिस्थितियों के अनुकूल हो सकता है और अपनी शिक्षण योजनाओं को बदल सकता है।
व्यक्तिगत विकास: एक अच्छा शिक्षक लगातार सीखने और विकसित होने का प्रयास करता है। वे नए शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों के बारे में जानने के लिए उसकू रहते हैं।
अतिरिक्त गुण जो एक अच्छे शिक्षक में होने चाहिए:-
सकारात्मक दृष्टिकोण: एक सकारात्मक दृष्टिकोण छात्रों को प्रेरित करता है और एक सकारात्मक सीखने का वातावरण बनाता है।
संगठन: एक अच्छा शिक्षक अपनी कक्षा को व्यवस्थित रखता है और समय का प्रबंधन करता है।
तकनीकी ज्ञान: आजकल तकनीकी शिक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक अच्छा शिक्षक तकनीकी का उपयोग करके छात्रों को पढ़ा सकता है।
एक अच्छे शिक्षक के गुणों का महत्व: एक अच्छे शिक्षक के गुण छात्रों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। एक अच्छा शिक्षक न केवल छात्रों को ज्ञान देता है बल्कि उन्हें एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद करता है।
-प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

राज. बोर्ड की मुख्य परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि आज

अजमेर, (कासं)! राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं व 12वीं की मुख्य परीक्षा-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की तिथि फिर से पांच सितंबर तक के लिए बढ़ा दी है। अब बिना विलंब शुल्क के साथ बढ़ी हुई तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। पूर्व में आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अगस्त निर्धारित थी जिसे पहले दो सितंबर किया गया और अब 5 सितम्बर कर दिया गया है। परीक्षा के लिए अब तक 19 लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

बोर्ड सचिव केशव चन्द्र शर्मा के अनुसार एक अतिरिक्त शुल्क के साथ 10 सितम्बर तक आवेदन कर 13 सितम्बर तक बैंक में शुल्क जमा करवा सकते हैं। असाधारण शुल्क केवल प्राइवेट परीक्षार्थियों के लिए जिला मुख्यालय पर 27 सितम्बर तक भरे जा सकते हैं। इसका चालान 4 अक्टूबर तक जमा होगा। आवेदन पत्र एवं चालान नोटल



बीदासर पालिका टीम ने प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी की।

बीदासर, (निर्सं)। नगर पालिका की गठित टीम ने बुधवार को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी करते हुए कस्बे के मुख्य बाजार से एक क्विंटल पांच किलो पॉलीथिन व डिस्पोजल जर्ब का हज़ार रूपये की ज़ुर्माना राशि वसूल की। पालिका की टीम के ज्योंही बाजार में पहुंचने की सूचना मिली तो व्यापारियों में हड़कंप मंच गया। छापेमारी के डर से कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शटर गिराकर भाग गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पालिका के अधिशाषी अधिकारी सोहन लाल नाथ के नेतृत्व में पालिका की गठित टीम ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्यवाही करते हुए सब्जी मंडी व बैरी चैक में कार्यवाही को अंजाम दिया। इस मौके पर ईओ सोहनलाल ने राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रतिबंधित पॉलीथिन का व्यापारियों को भविष्य में क्रय व विक्रय की चेतावनी देते हुए कहा कि पॉलीथिन के उपयोग करने से कस्बे के सौंदर्यकरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ईओ ने व्यापारियों को चेतावनी दी कि सिंगल यूज प्लास्टिक बेचना हुआ या उपयोग करते हुए मिलने पर उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाकर चालान किया जाएगा। वहीं कस्बे के नागरिकों से अपील की कि पॉलीथिन की जगह कपड़े व जूट के थैले का उपयोग करें। कार्रवाई टीम में सफाई निरीक्षक गिरधारी लाल, कार्यवाहक सफाई जमादार अमित, तेजपाल, फायरमैन सौरभ भाटिया, राजेंद्र कुमार, शकील बल्खी आदि शामिल थे।

तापमान में गिरावट आने से गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली है। वहीं, मुरझा रही फसलों को जीवन्तमान मिला है। एक सप्ताह पूर्व गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल हो गया था। बीच-बीच में अकाल बार कुछ देर के लिए तेज बारिश भी हुई। रिमझिम बारिश के बाद कई जगहों में पड़ने का राहत मिली। तहसील कानूनी राजेन्द्र जायसवाल के अनुसार गंगारपुर सिटी में क्षेत्र में अब तक 8.42 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। इससे

राज. बोर्ड की मुख्य परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि आज